ब्लडी मिडिल क्लास

राकेश राय

ब्लडी मिडिल क्लास

ब्लडी मिडिल क्लास

राकेश राय

The Marginalised Publication

प्रकाशक : द मार्जिनलाइज्ड पब्लिकेशन
इग्नू रोड, दिल्ली-110068
पंजीकृत कार्यालय, सानेवाड़ी, वर्धा
महाराष्ट्र-442001

ईमेल : themarginalised@gmail.com

संपर्क : +91-9650164016, 8130284314

© द मार्जिनलाइज्ड

प्रथम संस्करण : 2019
आईएसबीएन : 978-93-87441-36-1 (अजिल्द)
आवरण, लेआउट : दिनेश कुमार
मुद्रक : कम्प्यूटेक प्रिंटर्स, पंचशील गार्डन, नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032

आवरण चित्र : इरफान

ब्लडी मिडिल क्लास
राकेश राय

BLOODY MIDDLE CLASS
by RAKESH RAI

लेखक के मन की बात

सुधी पाठकों को राकेश राय का प्रणाम! शुक्रगुजार हूं, कि आपने मेरी इस किताब को पढ़ने के लिए चयनित किया। 'ब्लडी मिडिल क्लास' कोई कहानी नहीं है अपितु एक मिडिल क्लास इंसान के जीवन का सफरनामा है। एक ऐसे इंसान का जीवन सफर, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए जीवन के जद्दोजहद में लगा है। जो न तो गरीब है न ही अमीर। बीच का त्रिशंकु है। ये कहानी उसके जीवन के भागम-भाग की है। आज के वर्तमान परिवेश में जब पूरे समाज का बाजारीकरण हो चुका है, पैसा, पैसा और बस पैसा बोलता है। ऐसे दौर में यह उपन्यास मध्यम वर्गीय इंसान के जीवन के कशमकश और नैतिक मूल्यों की कहानी प्रस्तुत करता है।

एक उदाहरण के तौर पर बात करें तो, पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर हो या 95 रुपये प्रति लीटर, अमीरों को फर्क नहीं पड़ता। और न ही उस गरीब इंसान पर जिसके पास सायकल भी नहीं है। इन लोगों को पेट्रोल की कीमत से क्या लेना देना। भले ही इससे अप्रत्यक्षतः वस्तुओं की कीमतों पर पड़ने वाला असर उसे संकट देता रहे। अगर फर्क पड़ता है तो मध्यम वर्गीय इंसान को। क्योंकि वही है जिसने असंख्य सपनों को पाल रखा है। सपनों के बिना वह जी नहीं सकता। फिर उसके सपने उसे चाहे जितनी भी तकलीफ दें, उसे सब कुछ बर्दाश्त है। वह अपने सपनों को साकार करने के लिए समाज के द्वारा बनाए गए सारे बंधनों को तोड़ने की कोशिश करता है, सारी मान-मर्यादा को भी ताक पर रख देता है। दुनिया की सारी शारीरिक, मानसिक यातनाएं तथा हर तरीके की कठिनाइयों को सह लेता है, सिर्फ और सिर्फ अपने सपनों के लिए।

लेकिन जीवन के एक पड़ाव पर उसे समझ आता है कि उसने क्या खोया, क्या

पाया? और उसके लिए वास्तव में सही क्या है? अगर एक तरफ खाई है और दूसरी तरफ कुआं है तो उसके लिए बेहतर क्या है? अगर उसे कुएं और खाई में ही चुनाव करना ही है जबकि दूसरा कोई रास्ता नहीं है तो किसे चुने कुएं को या खाई को? क्योंकि वह है तो मिडिल क्लास ही। उसके जीवन में कोई चमत्कार नहीं है, उसकी अपनी सीमाएं भी हैं। उसके दिमाग में बचपन से ही भरा हुआ होता है कि असंभव कुछ भी नहीं होता है। फिर तो उसे अपने को सिद्ध करना ही है। वैसे आज के इस भौतिकवादी समाज में कोई खुश नहीं है पर सबसे ज्यादा अगर कोई परेशान है तो वो है 'मिडिल क्लास'। क्योंकि उसकी जरूरतों का कोई अंत नहीं है, साथ ही उसके लिए समाज के बहुत सारे नियम हैं, कानून हैं, मर्यादाएं है। ये कहानी ऐसे ही एक मध्यम वर्गीय इंसान की है जो जरूरतों से घिरा है।

आश्चर्य की बात ये है कि कोई उसे एक बार देखे तो लगेगा, बड़ा ही खुशनसीब बंदा है। उसके पास रहने के लिए घर है, उसके पास एक कार है। नौकरी है। एक छोटा सा परिवार है। आप सोचेंगे कि फिर समस्या कहां है? अरे भाई! उसके लिए आपको ये किताब पढ़नी पड़ेगी। ये किताब जो आपके हाथ में है मेरे लेखकीय जीवन का पहला सफर है, मुझे उम्मीद ही नहीं पूरा विश्वास है कि आप मेरे इस रचनात्मक सफर को अपने जीवन सफर से जोड़ पाएंगे।

मैं अपनी ये किताब अपनी मां अपने पिता जी और मेरे बड़े भाई को समर्पित करता हूं। बड़े भाई एक लाइन मुझे हमेशा याद रहती है–slow and steady wins the race। शायद यह रचना इसी का प्रतिफल है और अंत में मेरी पत्नी जो मेरे जीवन के हर सुख-दुःख में मेरे साथ एक स्तम्भ-सी खड़ी रहती है।

–राकेश राय

(इस कहानी के सारे पात्र, स्थान और नाम काल्पनिक हैं, कही किसी स्थान विशेष या व्यक्ति विशेष से मिलना महज एक संयोग मात्र ही होगा।)